गहना ज्वेलर्स पर बेचा गया चोरी का सोना

आरके ज्वेलर्स के कर्मचारियों ने 190 ग्राम आभूषण चोरी किए

नवभारत न्यूज

गुना 8 दिस. का। सदर बाजार स्थित एक सराफा दुकान के कर्मचारियों ने अमानत में ख्यानत करते हुए मालिक को करीब 15 लाख का चूना लगा दिया। इन कर्मचारियों ने अलग-अलग गुणवत्ता (कैरेट) वाला करीब 190 ग्राम सोना चोरी किया, जिसमें लगभग 40 ग्राम आभूषण गहना ज्वेलर्स पर या तो बेच दिए गए या बदल दिए गए।

सनसनीखेज अपराध और मालिक-कर्मचारी के भरोसे को तोड़ने वाली वारदात सदर बाजार में संचालित आरके ज्वेलर्स पर सामने आई है। संस्थान के संचलाक संतोष सोनी ने संदेह के आधार पर अपनी दुकान के कैमरे चैक किए, जिसके बाद खुलासा हुआ कि उनकी दुकान में रखे आभूषणों के अधिकांश डिब्बों में या तो आभूषण गायब हैं या फिर उन्हें नकली ज्वेलरी से बदल दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज से वारदात की पुष्टि होने के बाद संतोष सोनी ने सबसे पहले कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। आरके ज्वेलर्स के संचालक की शिकायत पर टीआई सीपीएस चौहान और उनकी टीम ने पड़ताल शुरु की तो एक के बाद एक कई परतें खुली चली गईं और चौंकाने वाले खुलासे भी हुए हैं।

कहां गया 140 ग्राम सोना?

आरके ज्वेलर्स पर हुई चोरी की सनसनीखेज वारदात के सिलसिले में पुलिस अब तक लगभग 25 फीसदी माल की ही बरामद कर पाई है। खुलासा हुआ है कि पवन गोस्वामी ने गहना ज्वेलर्स पर अक्टूबर और नवंबर महीने में करीब 48 ग्राम सोना बेचा था। जिसकी शुद्धता लगभग 75 प्रतिशत तक थी।

गहना ज्वेलर्स के मुताबिक आरोपी पवन गोस्वामी को 73 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना वापस कर दिया गया था। क्योंकि 2 प्रतिशत चार्जेस लेना वैधानिक है। लेकिन अभी भी लगभग 140 ग्राम सोना नदारद है। पुलिस बरामदगी के लिए दूसरे आरोपी उमेश योगी की तलाश कर रही है। इसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि दोनों कर्मचारियों में से बड़ा चोर कौन है और किसके हाथ कितना माल लगा था।

कराया आमना-सामना

पवन के दावों की पुष्टि करने के लिए कोतवाली पुलिस उसे सोमवार को गहना ज्वेलर्स लेकर पहुंची। जहां संस्थान के मैनेजर सुरेश लालवानी से आमना-सामना करवाया गया। इस दौरान पवन ने मैनेजर के सामने दावा किया कि उसने चोरी के आभूषण बताकर ही गहना ज्वैलर्स पर को दिए थे, कुछ एक्सचेंज किए गए और कुछ राशि नगद भी ली गई है। हालांकि सुरेश लालवानी ने पवन के आरोपों को खारिज कर दिया। उनका कहना था कि उन्होंने आभूषण एक्सचेंज करवाए थे, लेकिन एक पूरी प्रक्रिया का पालन करवाया गया। पवन एक फॉर्म भरवाया गया, जिसे स्व-घोषणा पत्रक बताया जा रहा है। आभूषणों का बिल उपलब्ध नहीं होने पर लालवानी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पुलिस ने करीब 40 ग्राम आभूषण गहना ज्वेलर्स से बराम किए हैं, जो पवन द्वारा बेचे या एक्सचेंज करवाए गए थे।

गहना ज्वेलर्स के कर्मचारी को भी बनाया आरोपी

सीपीएस चौहान ने बताया कि चोरी की घटना संज्ञान में आते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की है। इस मामले में आरोपी पवन गोस्वामी को पीआर पर लिया गया है। वहीं चोरी का माल खरीदने वाले गहना ज्वेलर्स के कर्मचारी को भी आरोपी बनाया गया है। मामले में जिसकी भूमिका संदिग्ध नजर आएगी, उसे विवेचना में शामिल कर कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर आरके ज्वेलर्स के संचालक संतोष सोनी ने कोतवाली पुलिस का आभार जताया। उनके मुताबिक पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते ही तत्काल कार्रवाई शुरु कर दी। उन्हें पूरा भरोसा है कि उनकी दुकान से चोरी गया पूरा माल जल्द से जल्द बरामद कर लिया जाएगा।

चोर निकले दोनों ही कर्मचारी: दुकान से आभूषण गायब होने की शिकायत बाद पुलिस ने जब जांच शुरु की तो पाया गया कि कर्मचारी पवन गोस्वामी और उमेश योगी ने ही आभूषण गायब किए हैं। सीसीटीवी फुटेज में कर्मचारियों की हरकतें रिकॉर्ड हो गई। हालांकि पुलिस जब तक कार्रवाई शुरु करती, उससे पहले ही उमेश योगी फरार हो गया। लेकिन कोतवाली पुलिस ने पवन गोस्वामी को हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरु की तो उसने आभूषण चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। पवन के मुताबिक करीब 48 ग्राम सोना उसने गहना ज्वेलर्स पर बेचा था।

भगवान भरोसे सिरसी जनजाति छात्रावास, 50 बच्चों की सुरक्षा खतरे में, रसोईया ही निभा रहा अधीक्षक, चौकीदार और शिक्षक का दायित्व

नवभारत न्यूज

बमोरी। शासकीय संस्थानों में मनमानी और अव्यवस्था के किस्से अक्सर सामने आते रहते हैं। एक बार फिर बमोरी क्षेत्र से बेहद गंभीर विषय उजागर हुआ है, जहां सिरसी जनजाति जूनियर छात्रावास में अधीक्षक की मनमानी के कारण 50 बच्चों की सुरक्षा और संचालन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

नवभारत टीम ने शनिवार को बमोरी क्षेत्र के वनवासी क्षेत्र स्थित सिरसी जनजाति जूनियर छात्रावास की पड़ताल की और ग्राउंड जीरो पर जाकर हकीकत जानी। जब टीम दोपहर 3ः40 बजे छात्रावास पहुंची, तो मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था, जबकि कुछ छात्र परिसर के भीतर दिखाई दिए। छात्रों से अधीक्षक के बारे में पूछने पर पता चला कि सर शाम के भोजन के लिए सामान लेने गए हैं। टीम ने मौजूद छात्र द्वारा दिए गए एक मोबाइल नंबर (7648800730) पर फोन किया, जिस पर उधर से बड़ा ही चौंकाने वाला जवाब मिला- हैलो, मैं सर बोल रहा हूं। शुरूआत में टीम को लगा कि फोन पर अधीक्षक बात कर रहे हैं, लेकिन आगे की बातचीत में जानकारी मिली कि फोन पर बात कर रहे शख्स छात्रावास में रसोइए का कार्य देखते हैं। जब टीम ने रसोईया परमाल बारेला से पदस्थ अधीक्षक और चौकीदार व शिक्षक के बारे में पूछा, तो उसने जो बताया वह हास्यास्पद, लेकिन अत्यंत गंभीर था। रसोइए ने कहा कि साहब, यहां के सभी कार्य मैं ही देखता हूं। चौकीदारी, भोजन बनाने से लेकर बच्चों को पढ़ाने तक का कार्य मैं ही देखता हूं। रसोइए के इन हास्यप्रद जवाबों से यह साबित हो गया कि सिरसी छात्रावास कितनी विकट परिस्थितियों से संचालित हो रहा है। यहां के पदस्थ अधीक्षक के मनमाने रवैये के कारण छात्रावास में मौजूद 50 छात्रों की सुरक्षा, देखभाल और शैक्षणिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। छात्रावास पूरी तरह से भगवान भरोसे चल रहा है।

स्वावलंबी भाव जगाने चाचौड़ा में एकल आचार्य अभ्यास वर्ग का समापन आज

गुना। स्वावलंबी और स्वाभिमानी भाव जगाने के उद्देश्य को लेकर, एकल अभियान मध्यभारत संभाग चंबल भाग अंचल गुना के अंतर्गत पांच दिवसीय आवासीय आचार्य अभ्यास वर्ग बाग बागेश्वर धाम, चाचौड़ा में रखा गया है। इसका समापन 9 दिसंबर को किया जाएगा। अभ्यास वर्ग का उद्घाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राघौगढ़ के जिला संघ चालक चंद्रेश नामदेव और मुख्य वक्ता एकल अभियान प्रभाग पी-7 जागरण शिक्षा प्रभारी विकास जैन नखराली सहित अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। पी-7 जागरण शिक्षा प्रभारी विकास जैन ने आचार्य अभ्यास वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि देश को आजादी मिले 78 साल हो चुके हैं, लेकिन आज भी कई ग्रामों में शिक्षा का अभाव है, जहां कोई भी शासकीय विद्यालय नहीं है। जिला संघ चालक चंद्रेश नामदेव ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कार्यकताओं को पंच परिवर्तन को जीवन का स्थायी हिस्सा बनाने का आह्वान किया है।

गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी दिवस पर 3 माह तक होंगे कार्यक्रम

गुना। धन धन गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित, उनकी महान शहादत, उनके उपदेशों और गुरु परंपरा की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिले भर में तीन माह तक कार्यक्रम होंगे। बैठक में महेंद्र सिंह संधू, बख्तावर सिंह, गुरुद्वारा सिंह सभा अध्यक्ष अमर जीत सिंह सलूजा, सचिव हरवीर सिंह सूद, कोषाध्यक्ष विजय सिंह सोढ़ी, बलविंदर सिंह रंधावा, समाजसेवी विकास जैन नखराली सहित सिख, पंजाबी एवं सर्व सनातन धर्म के लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मुख्य एजेंडा यह रहा कि गुरु ग्रंथ साहिब जी में सर्व समाज के जिन 16 भक्तों की वाणी दर्ज है, उसका जिले भर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों एवं इंस्टीट्यूट में जाकर प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि इसकी जानकारी जन-जन तक पहुंच सके।

मारपीट भुल्लनपुरा क्षेत्र में सनसनीखेज मारपीट का वीडियो वायरल

युवक पर बरसाई लाठियां और लोहे की रॉड, बचाने वाले को भी धुना

गुना। गुना में चाय कॉफी और बेकरी जैसी खाने पीने की दुकानों पर आए दिन युवाओं के बीच झगड़ा और मारपीट की घटनाएं सामने आ रही है। ताजा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के भुल्लनपुरा इलाके का है। यहां रविवार रात लगभग 9.30 एक युवक और उसके साथियों को दो लोगों ने इतनी बुरी तरह पीटा की देखने वालों के रोंगटे खड़े हो जाए। जानकारी सामने आई है कि आरोपी रोहन नगर और अरुण राय का पुरानी रंजिश को लेकर महावीरपुरा में रहने वाले विशाल जाटव और उसके भाई रोहित के साथ विवाद चल रहा था। इसी को लेकर दोनों आरोपियों ने रविवार देर शाम विशाल के भाई रोहित जाटव और उसके साथ दीपक अहिरवार के साथ मारपीट शुरू कर दी जिसकी जानकारी विशाल को मिली तो वह बीच बचाव आपके लिए मौके पर पहुंच गया। इसके बाद आरोपी और ज्यादा भड़क गए उन्होंने लाठी डंडे और एक लोहे की रोड निकाल ली। इन घातक हथियारों से दोनों आरोपियों ने विशाल और उसके भाई को लगातार पीटना शुरू कर दिया आरोपी इतनी बेरहमी के साथ मारपीट कर रहे थे कि देखने वाले लोग भी कांप उठे। लेकिन दोनों भाइयों को पिटता देख उन्हें बचाने की हिम्मत कोई नहीं जुटा पाया।

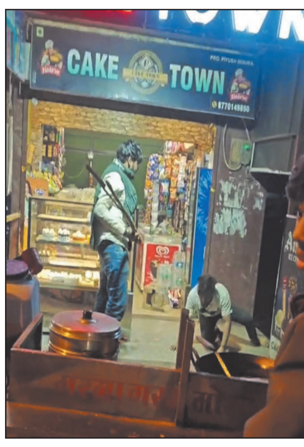

बाद में दोनों आरोपी अपनी दबंगई दिखाते हुए मौके से निकल गए। शहर कोतवाली महावीरपुरा की शिकायत पर आरोपी अरुण राय और रोहन नगर के खिलाफ फिर दर्ज कर ली है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें आरोपियों की क्रूरता साफ साफ नजर आ रही है।

दवाई लेने आया था, अचानक हमला कर दिया

जिला अस्पताल में भर्ती विशाल अहिरवार और रोहित जाटव ने मीडियाकर्मियों को बयान दिया कि आरोपियों के साथ उसकी कोई रंजिश नहीं है। वह तो मेडिकल पर दवाई लेने के लिए आया था। अचानक से 3-4 लोगों ने हमला कर दिया। दोनों युवकों के मुताबिक वे अपनी जान बचाने के लिए बेकरी के अंदर घुसे थे, आरोपी वहां भी आ गए और उन्हें लाठी, लोहे की रॉड सहित कई घातक हथियारों से पीटते रहे।